भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियां

अगस्त 2014 में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद श्री अमित शाह ने न केवल पार्टी संगठन को मजबूत किया बल्कि उनके इस अल्प कार्यकाल में पार्टी दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भी उभर कर आई। यह श्री शाह के अथक प्रयासों, कुशल नेतृत्व और प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का ही नतीजा है कि पार्टी के सदस्यता अभियान से सदस्यों की संख्या महज तीन करोड़ से बढ़कर ग्यारह करोड़ से भी अधिक हो गई।

पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ श्री शाह के नेतृत्व और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुआई में भारतीय जनता पार्टी ने देश के राजनीतिक पटल पर भी पार्टी को नई पहचान दी। श्री शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बीते 18 महीने में भारतीय जनता पार्टी ने छह राज्यों के विधानसभा चुनाव लड़े जिनमें से चार में पार्टी ने अपनी सरकार बनाई। उल्लेखनीय है कि इन सभी छः राज्यों में से एक में भी भाजपा की सरकार नहीं थी | महाराष्ट्र में पार्टी पहली बार शिवसेना से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ी और वहां भाजपा अपने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बनाने में सफल रही। इसी तरह श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में पार्टी ने झारखंड में एक दशक से भी अधिक समय तक चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त करते हुए प्रदेश को स्थाई सरकार दी । हरियाणा में पहले कभी भी दहाई का आंकड़ा न पार कर सकने वाली भाजपा ने अपने बल बूते पर पूर्ण बहुमत प्राप्त करके अपनी सरकार बनाई| यहाँ तक कि जम्मू कश्मीर में भी भाजपा ने अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन करके पी.डी.पी. के साथ सरकार बना कर अपना उप-मुख्यमंत्री बनाया | भले ही पार्टी दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में जीत हासिल नहीं कर पाई। लेकिन भारतीय जनता पार्टी अपने वोट प्रतिशत को बढ़ाने और दिल्ली में उसे लगभग पूर्व स्तर पर कायम रखने में सफल रही।

बीते अट्ठारह महीनों में भारतीय जनता पार्टी को इन उपलब्धियों तक पहुंचाने में श्री शाह के अथक प्रयास और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिशानिर्देश में उठाए गए कदम महत्वपूर्ण साबित हुए। इन सफलताओं तक पहुंचने में श्री शाह ने इस अवधि में रोजाना औसतन 495 किलोमीटर से भी अधिक की यात्रा की। उन्होंने इस दौरान पूरे देश में 2,65,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की है।

संगठन को मजबूत करने की दिशा में यात्राओं के इस क्रम में श्री शाह ने निरतंर कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों के साथ संपर्क कायम करने को प्राथमिकता दी। पार्टी में सदाचार बनाए रखने के लिए उन्होंने शीर्ष स्तर से पार्टी कार्यकर्ताओं को संदेश देने के लिए निजी हवाई जहाजों से यात्रा को प्राथमिकता नहीं दी। साथ ही पार्टी पदाधिकारियों को दिल्ली से बाहर दौरा करते वक्त गंतव्य पर रात गुजारने और कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ सीधे संपर्क बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। खुद अपनी यात्राओं में उन्होंने इस अवधि में 142 बार राज्यों का दौरा किया और 176 रैलियों को संबोधित किया।

श्री शाह ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ सीधा संपर्क कायम करने के लिए जनसंवाद कार्यक्रम शुरू किया। श्री शाह ने इसके लिए महीने के पहले और तीसरे सोमवार को प्रातः 9 से दोपहर 2.30 बजे तक का समय निश्चित किया। अब तक आयोजित हुए 16 जनसंवाद कार्यक्रमों में श्री शाह ने छः हजार से अधिक लोगों से मुलाक़ात की | इस दौरान आमजन, कार्यकर्ता और पदाधिकारी पार्टी अध्यक्ष से बिना समय लिए मिल सकते हैं। इतना ही नहीं श्री शाह ने जिला स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों से संवाद कायम करने की प्रक्रिया शुरू की। इस तरह की बैठकों का आयोजन राज्यों के उनके दौरों में किया गया। इनमें उत्तर पूर्व के राज्यों पर विशेष जोर दिया गया। राज्यों के अपने दौरों के दौरान श्री शाह ने दो घंटे का समय उन लोगों के लिए विशेष तौर पर रखा जो पार्टी अध्यक्ष से विभिन्न कारणों से दिल्ली में नहीं मिल पाते है।

श्री शाह के कार्यकाल में पहली बार पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय, राज्य, जिला और ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। पार्टी संगठन के विस्तार और उसकी मजबूती में इन प्रशिक्षण शिविरों ने अहम भूमिका निभायी। पूर्व में इस तरह के आयोजनों में पार्टी कार्यकर्ताओं की संख्या सालाना करीब साढ़े तीन हजार तक सीमित रहती थी। लेकिन श्री शाह के प्रयासों से इस साल 7,25,000 से भी अधिक कार्यकर्ता इन प्रशिक्षण शिविरों से जुड़े।

सरकार और पार्टी के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए श्री शाह ने लगातार सरकार के मंत्रियों से संपर्क रखा और समय–समय पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर पार्टी और आम जनता की भावनाओं को सरकार के कार्यक्रमों से जोड़ने का अथक प्रयास किया।

पार्टी के कार्यक्रमों का विस्तार करने के उदेश्य से श्री शाह ने पार्टी में 19 विभाग और 10 प्रकल्पों को गठित किया। इन सभी विभागों और प्रकल्पों के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा बना कर उन्हें पार्टी की विचार धारा और उदेश्यों को आगे बढाने के काम में लगाया गया।